

The Tribune

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	4-8-26		

Varsity business incubation centre invites startup ideas for agriculture, allied sectors

DEEPENDER DESWAL
TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, AUGUST 3

The Agri-Business Incubation Centre (ABIC) of the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Hisar, has invited online applications for Cohort-8 for innovative idea, product, process, or technology that addresses a challenge in agriculture or allied sectors.

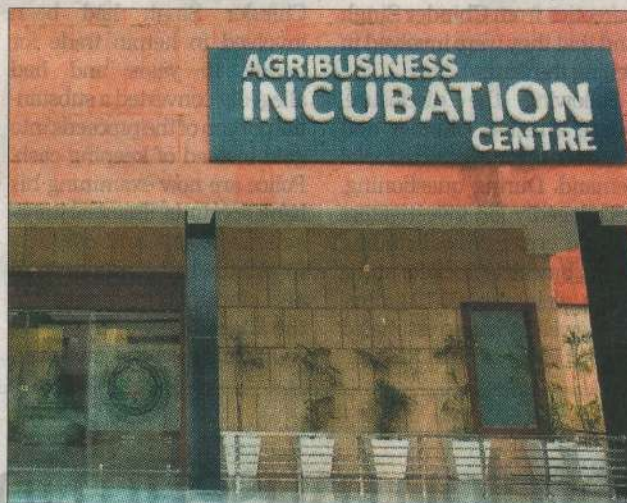
Vice-Chancellor Prof BR Kamboj said the ABIC has been providing opportunities for entrepreneurs to transform agricultural innovations, products and technologies into successful startups. The selected startups will receive one month of incubation and entrepreneurship training along with grant aid of up to Rs 25 lakh under the RKVY-RAFTAAR scheme, the VC added. The last date to apply is September 10.

As per the conditions, researchers, farmers and unemployed individuals from the state are eligible to apply. There is no age limit, no mandatory educational qualification and no category restriction for applicants. Applications will be accepted only online. The application link and detailed guidelines are available on the HAU website.

The selected startups will receive one month of free incubation and entrepreneurship training. ABIC aims to support participants from "Idea to Enterprise" by providing technical, business and intellectual property



Vice-Chancellor BR Kamboj addresses a press conference at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University; and (below) the university's Agri-Business Incubation Centre in Hisar.



guidance. The VC said that ABIC had received the 'Best Incubation Centre Award' from Union Minister Prahlad Singh Patel in 2021 and a certificate of appreciation from ex-CM Manohar Lal Khattar in 2022.

Kamboj said the centre had facilitated the filing and publication of 50 Intellectual Property Rights (IPR) applications for start-

ups and provided free incubation and training to 280 participants. The ABIC has enabled 77 startups to secure approximately Rs 10 crore in government grants so far, he added.

"The ABIC-supported startups have collectively generated over Rs 20 crore in business turnover. These startups have created more than 1,500 employment opportunities. They have

established a strong network of scientists, industry experts, investors and mentors and more than 1,00,000 farmers have benefited from technologies developed by ABIC-supported startups, helping improve farm productivity and profitability," the VC added.

CM Nayab Singh Saini had also honoured ABIC startup founders like Nitin Lalit and Virender Bajwan with the Udyan Ratna Award in May 2026. Besides, renowned beekeeper and entrepreneur Subhash Kamboj has received several national and state-level honours, including the Millionaire Farmer of India Award. His work has been appreciated twice by PM Narendra Modi during the Mann Ki Baat programme and he has also been invited to the PM's residence and by the Governor of Haryana, the VC added.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि न्यूज	4.8.26		

एचएच की उन्नत सरसों किस्म 'आरएच-1975' अब देशभर के किसानों तक पहुंचेगी

11-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन से व्यवसाय को मिलेगा विस्तार

हरिन्यूज न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अपनी विकसित उन्नत सरसों किस्म 'आरएच-1975' को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय ने इस किस्म के बीज के उत्पादन एवं वितरण के लिए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ लाइसेंस समझौता किया है। इस समझौते से हरियाणा सहित उत्तर भारत के किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। हकूवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लगातार विभिन्न



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी।

किसानों के लिए क्यों खास है 'आरएच-1975'

'आरएच-1975' सरसों की ऐसी उन्नत किस्म है, जिसकी औसत उत्पादन क्षमता 11 से 12 क्विंटल प्रति एकड़ तथा अनुकूल परिस्थितियों में 14 से 15 क्विंटल प्रति एकड़ तक पहुंच सकती है। इस किस्म में लगभग 39.5 प्रतिशत तेल पाया जाता है, जो इसे अधिक उत्पादन और बेहतर गुणवत्ता वाली किस्म बनाता है। यही वजह है कि यह किस्म किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यह किस्म हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू तथा उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों के लिए अनुशंसित है। अब निजी कंपनी के साथ हुए इस समझौते से इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का प्रमाणित बीज अधिक मात्रा में उपलब्ध होने की उम्मीद है।

फसलों की उच्च उत्पादक और निजी क्षेत्र के सहयोग से किसानों तक पहुंचाना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है, ताकि किसान

आधुनिक तकनीक और विश्वसनीय बीजों का लाभ लेकर उत्पादन बढ़ा सकें।

ये रहे मौजूद

सरसों की उन्नत किस्म 'आरएच-1975' के लिए हुए इस समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग तथा कंपनी की ओर से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल दौगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. रमेश यादव, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. राम अवतार, डॉ. योगेश जिंदल तथा डॉ. पवन सहित विश्वविद्यालय के अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

आधुनिक तकनीक और विश्वसनीय बीजों का लाभ लेकर उत्पादन बढ़ा सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	4-8-26		

हकृवि ने केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया समझौता

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का बीज देशभर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने सरसों की उन्नत किस्म आरएच-1975 के लिए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ समझौता किया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज एवं तकनीक उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है।



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी।

इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सरसों की उन्नत किस्म आरएच 1975 का केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड खांडवा के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने तथा कंपनी की तरफ से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर

किए। सरसों की आरएच 1975 किस्म 11 से 12 क्विंटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14 से 15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली किस्म है। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल वींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. रमेश गोयल, डा. एसके पाहुजा, डा. रमेश यादव, डा. नीरज कुमार, डा. वीरेन्द्र मोर, डा. राम अवतार, डा. योगेश जिंदल, डा. पवन उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	03.08.2026	-----	----

हकृवि ने केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया समझौता

चिराग टाइम्स न्यूज
हिसार, । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का बीज देशभर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने सरसों की उन्नत किस्म आरएच-1975 के लिए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ समझौता किया है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज एवं तकनीक उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

इस कम्पनी से हुआ समझौता- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई



सरसों की उन्नत किस्म आरएच 1975 का केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा कम्पनी की तरफ से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर किए।

आर एच 1975 किस्म की विशेषता

सरसों की आरएच 1975 किस्म 11 से 12 क्विंटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14 से 15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली किस्म है। इस किस्म में तेल कि मात्रा लगभग 39.5 प्रतिशत है।

पैदावार और तेल की मात्रा अधिक होने के कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों में अधिक लोकप्रिय है। आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बीजाई के लिए चिन्हित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. रमेश यादव, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. राम अवतार, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. पवन उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	03.08.2026	-----	----

हकृवि ने केडीएम सीड्स और इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया समझौता एमओयू का उद्देश्य उन्नत किस्में किसानों को उपलब्ध करवाना है

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों का बीज देशभर के किसानों तक पहुंचाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने सरसों की उन्नत किस्म आरएच-1975 के लिए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ समझौता किया है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित की जा रही हैं। वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई उन्नत किस्में देशभर में अपना परचम लहरा रही हैं। किसानों को विश्वसनीय किस्मों का बीज एवं



तकनीक उपलब्ध करवा कर प्रदेश एवं देश के खाद्य उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सरसों की उन्नत किस्म आरएच 1975 का केडीएम सीड्स एंड

इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा कम्पनी की तरफ से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर किए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	५-८-२६	५	१

एचएयू ने सरसों आरएच-१९७५ के बीज प्रसार के लिए कंपनी से समझौता किया



हिसार | एचएयू ने सरसों की उन्नत किस्म आरएच-१९७५ का बीज अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए केडीएम सीड्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, खांडवा के साथ समझौता किया। कुलपति बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विवि के वैज्ञानिक विभिन्न फसलों की नई किस्में विकसित कर रहे हैं और विश्वसनीय बीज व तकनीक उपलब्ध होने से खाद्य उत्पादन बढ़ेगा तथा किसानों की आय में सुधार होगा। समझौते पर एचएयू की ओर से अनुसंधान निदेशक राजबीर गर्ग और कंपनी की ओर से चेयरमैन सुभाष महता ने हस्ताक्षर किए। आरएच-१९७५ का औसत उत्पादन ११ से १२ क्विंटल प्रति एकड़ और क्षमता १४ से १५ क्विंटल प्रति एकड़ बताई गई है।